मस्त कलंदर

एक पेड़ पर, था एक बंदर,
नाम था उसका मस्त कलंदर।
उछल-कूद था खूब मचाता,
धमा-चौकड़ी उसे था भाता।

एक दिन पाई एक टोपी,
लाल-लाल प्यारी-सी टोपी।
सिर पर पहनी उसने टोपी,
राजा बना मैं पहन के टोपी।

राजा बनना था एक सपना,
अकड़ के मुझको अब है चलना।
सोच कलंदर चला अकड़ के,
बात करो ना कोई मुझसे।

आँखें ऊपर, पैर बढ़ाया,
पैर के नीचे गड्ढा आया।
कीचड़ में गिर गया कलंदर,
अब न रहा राजा वह बंदर।

विद्यया ऽमृतमश्नुते
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
Department of Elementary Education
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
एन सी ई आर टी NCERT
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

संकल्पना — सुनीति सनवाल
रचनाकार — सावित्री सिंह
चित्रांकन — सान्या जैन

21166
₹ 30.00

CC-BY-NC-SA

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित।